

---

# Shrirama mangalashasanam

श्रीराममङ्गलशासनम्

## Document Information

---

Text title : rAmamaNgalAshAsanam 1

File name : rAmamangalAshAsanam.itx

Category : raama, stotra, mangala

Location : doc\_raama

Author : varavaramunisvAmi

Transliterated by : Ankur Nagpal ankurnagpal108 at gmail.com

Proofread by : Ankur Nagpal ankurnagpal108 at gmail.com

Latest update : August 14, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 14, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shrirama mangalashasanam

---

### श्रीराममङ्गलशासनम्

---



मङ्गलं कौशलेन्द्राय मङ्गनीयगुणाब्धये । (कोसलेन्द्राय)  
यङ्कवर्तितनूजाय सार्वभौमाय मङ्गलम् ॥ १ ॥

वेदवेदान्तवेधाय मेघश्यामलमूर्तये ।  
पुंसां मोहनरुपाय पुण्यश्लोकाय मङ्गलम् ॥ २ ॥

विश्वामित्रान्तरङ्गाय मिथिलानगरीपतेः ।  
भाग्यानां परिपाकाय भव्यरुपाय मङ्गलम् ॥ ३ ॥

पितृभक्ताय सततं भ्रातृभिः सङ्गीतया ।  
नन्दिताभिलोकाय रामभद्राय मङ्गलम् ॥ ४ ॥

त्यक्तसाकेतवासाय चित्रकूटविहारिणे ।  
सेव्याय सर्वयमिनां धीरोदाराय मङ्गलम् ॥ ५ ॥ (धीरोदात्ताय, धीरोदयाय)

सौमित्रिणा य जनक्या यापभाषासिधारिणे ।  
संसेव्याय सदा भक्त्या स्वामिने मम मङ्गलम् ॥ ६ ॥

दण्डकारायवासाय भरद्वाजशत्रवे । (दण्डकारण्यवासाय भण्डितामरशत्रवे)  
गुह्यराजाय भक्ताय मुक्तिदायास्तु मङ्गलम् ॥ ७ ॥

सादरं शबरीदत्तकूलमूलाभिलाषिणे ।  
सौलभ्यपरिपूर्णाय सत्त्वोद्भक्ताय मङ्गलम् ॥ ८ ॥

धनुमत्समवेताय उरीशाभीष्टदायिने ।  
वालिप्रमथानायास्तु मङ्गलम् ॥ ९ ॥

श्रीमते रघुवीराय सेतूल्लङ्घितसिन्धवे ।  
जितराक्षसराजाय रणधीराय मङ्गलम् ॥ १० ॥

विभीषणकृते प्रीत्या लङ्काभीष्टप्रदायिने ।  
सर्वलोकशरण्याय श्रीराघवाय मङ्गलम् ॥ ११ ॥

आसाध नगरीं द्रिव्यामभिषिक्ताय सीतया ।

राजधिराजराज्य रामभद्राय मङ्गलम् ॥ १२ ॥

ब्रह्मादिदेवसेव्याय ब्रह्मण्याय मङ्गलम् ।

जनकीप्राणनाथाय रघुनाथाय मङ्गलम् ॥ १३ ॥

श्रीसौम्यजामातृमुनेः कृपयास्मानुपेयुषे ।

मङ्गले मम नाथाय रघुनाथाय मङ्गलम् ॥ १४ ॥

मङ्गलाशासनपरैर्मदाचार्यपुरोगमैः ।

सर्वैश्च पूर्वैराचार्यैः सत्कृतायास्तु मङ्गलम् ॥ १५ ॥


रम्यजामातृमुनिना मङ्गलाशासनं कृतम् ।

त्रैलोक्याधिपतिः श्रीमान् करोतु मङ्गलं सदा ॥ १६ ॥


॥ इति श्रीवत्सवत्सुनिस्वामिकृतश्रीराममङ्गलाशासनं सम्पूर्णम् ॥

Ankur Nagpal

---

——  
*Shrirama mangalashasanam*

pdf was typeset on August 14, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

